70 देश कोरोना वायरस की चपेट में आ चुके हैं। इससे अब तक 3000 से ज्यादा लोगों की जानें जा चुकी हैं, जबकि 90 हजार से ज्यादा लोग संक्रमित हैं।

देशों के कोरोना से निपटने के अनोखे उपाय

कोरोना वायरस की गति थमने का नाम ही नहीं ले रही है। अब तक 70 देशों में यह खतरनाक वायरस पहुंच चुका है और भारत में भी इसने दस्तक दे दी है। डॉक्टर भी इसके शिकार हो रहे हैं। अस्पतालों में अब रोबोट काम कर रहे हैं। वैज्ञानिकों की माने तो कुछ ऐसे भी लोग हैं, जिन्हें उनकी बीमारी का अंदाजा नहीं है या वो स्वास्थ्य परीक्षण से होकर नहीं गुजरे हैं और सामान्य जीवन बिता रहे हैं। ऐसे में विशेषज्ञों ने सावधानी को ही इस वायरस से निपटने का सबसे बड़ा उपाय बताया है। दुनियाभर के वैज्ञानिक इससे निपटने का रास्ता तलाश रहे हैं। इसी बीच विश्व स्वास्थ्य संगठन ने हाथ धोने के तरीकों के बारे में गाइडलाइन जारी की है, तो फ्रांस समेत कई देशों ने जीवन शैली के तरीकों में बदलाव लाया है।

बदला मुलाकात का परंपरागत तरीका

फ्रांस की सरकार ने संक्रमण से बचने के लिए लोगों से मुलाकात के परंपरागत तरीके (गाल पर चुंबन और हाथ मिलाना) में बदलाव किया है। स्वास्थ्य मंत्री ओलिवियर वेरन ने कहा कि मुलाकात के दौरान किसी भी शारीरिक क्रिया से परहेज किया जा रहा है। हाल ही में जर्मनी के मंत्री होर्स्ट जीहोफर के द्वारा एंजेला मर्केल से हाथ मिलाने से परहेज करने वाला वीडियो काफी वायरल हुआ।

दस्तानों का करें प्रयोग

विज्ञान लेखक लॉरी गैरेट दस्तानों के प्रयोग का सुझाव देती हैं। वो कहती हैं कि पब्लिक ट्रांसपोर्ट या सामाजिक समूह में रहने के दौरान दस्तानों का अवश्य प्रयोग करना चाहिए। इससे किसी भी सामाजिक वस्तु का प्रयोग करने में कोई हानि नहीं होगी। इसी के साथ वो घर और गाड़ी में खिड़की खोलने से परहेज करने को कहती हैं। साफ और सूखे तौलिए का प्रयोग उचित बताती हैं।

एयर हैंडशेक का वीडियो वायरल

ऐसे में एक कार्यक्रम के बाद एक मोटिवेशनल स्पीकर रिचर्ड मैकन ने वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वो एयर हैंडशेक कर रहे हैं।

पांच बार हाथ धोएं

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने वायरस से निपटने के लिए साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखने को कहा है। इसके लिए हाथों की सफाई को प्रमुखता दी है और दिन में कम से कम पांच बार हाथ धुलने का सुझाव दिया। डब्ल्यूएचओ ने हाथ को कब और कैसे धुलने का तरीका भी बताया है।

कब धोएं
- छींकने और खांसने के बाद।
- बीमार व्यक्ति से मुलाकात के बाद।
- शौचालय के इस्तेमाल के बाद।
- खाने बनाने और खाने के बाद।
- पशुओं को छूने के बाद।

ध्यान रखें
- खांसी या छींकने पर टिशू का प्रयोग करें।
- अगर कोई व्यक्ति आपके बिल्कुल पास में खांसी या छींके तो कुछ सेकेंड तक टुकड़ों में सांस लें।

दरवाजे के हत्थे को संभलकर छुए

यूनिवर्सिटी ऑफ ग्रीफ्सवाल्ड के प्रोफेसर गुंटर काम्फ का कहना है कि ठोस धरातल के बार-बार इस्तेमाल से कोरोना वायरस सबसे तेजी से फैलता है। इस स्थिति में किसी धरातल को कोई संक्रमित व्यक्ति इस्तेमाल करता है और उसी को दोबारा कोई स्वस्थ व्यक्ति छूता है तो वह भी संक्रमित हो जाता है। उन्होंने कहा कि दरवाजे के हत्थे समेत ट्रांसपोर्ट के दौरान ऐसी तमाम वस्तुओं का इस्तेमाल किया जाता है। इनसे परहेज करना चाहिए या इस्तेमाल के समय सावधानी बरतनी चाहिए।

लिफ्ट में बटन दबाने के लिए करें पेन का प्रयोग

सिंगापुर के मेडिकल स्कूल के प्रोफेसर वांग लिन फा के मुताबिक इस वातावरण में लिफ्ट सबसे ज्यादा घातक है क्योंकि उसी बंद लिफ्ट की हवा में कई लोग सांस लेते हैं और बटन का इस्तेमाल करते हैं। ऐसे में उन्होंने लिफ्ट में बटन दबाने के लिए पेन का इस्तेमाल करने का सुझाव दिया। साथ ही उन्होंने शौचालय का इस्तेमाल करते समय खास सावधानी बरतने को कहा।

चेहरे को छूने से करें परहेज

ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के शोधार्थी एलिस्टेयर माइल्स की मानें तो लोगों को बार-बार अपने चेहरे को छूने से बचना चाहिए। उन्होंने एक ट्वीट के जरिए कहा कि अपने चेहरे, नाक और आंखों को न छुएं। वो कहते हैं कि यदि आपके हाथ किसी दूसरे संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आने से संक्रमित भी हैं तो आप ऐसा करके शरीर के अंदर पहुंचाने में मदद कर सकते हैं।

मास्क कारगर नहीं

डॉ सिमॉन क्लार्के कहते हैं कि दुकानों पर मिलने वाले मास्क कोरोना वायरस से बचाव में कारगर नहीं है क्योंकि इसके वायरस इतने छोटे हैं कि आसानी से मास्क को पार कर सकते हैं। कुछ वैज्ञानिकों का कहना है कि आम स्थिति से मास्क पहनना फिर भी बेहतर है।

भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों से बचें

इटली, फ्रांस और स्विट्जरलैंड जैसे देशों ने भीड़भाड़ से दूर रहने के निर्देश दिए हैं। इसके लिए फुटबॉल मैच इत्यादि आयोजनों को निरस्त कर दिया गया है।

26 प्रकार के बल्क ड्रग्स के निर्यात पर प्रतिबंध

सख्त रुख ▶ दवाओं की किल्लत की आशंका के चलते सरकार का फैसला

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

चीन से फैले कोरोना वायरस की वजह से भारत में दवाइयों की किल्लत की आशंका को देखते हुए सरकार ने मंगलवार को 26 प्रकार के बल्क ड्रग्स (कच्चे माल) के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया। हालांकि सरकार की इजाजत लेकर निर्यातक इन ड्रग्स का निर्यात कर सकते हैं। दवा कंपनियां इन ड्रग्स के निर्यात पर रोक की मांग कर रहे थे ताकि घरेलू स्तर पर दवा बनाने के लिए कच्चे माल की कमी न हो।

सरकार की तरफ से पिछले सप्ताह 54 प्रकार की दवाओं से जुड़े बल्क ड्रग्स की समीक्षा की गई थी। इनमें से 34 प्रकार के बल्क ड्रग्स को अति आवश्यक श्रेणी में रखा गया था। इनके निर्यात पर सरकार लगातार नजर रख रही है। फेडरेशन ऑफ फार्मा एंटरप्रेन्योर्स के कार्यकारी सचिव सुदेश कुमार के मुताबिक कच्चे माल की कमी होने से पिछले 15 दिनों में दवा निर्माण की लागत 30-40 फीसद तक बढ़ चुकी है। लेकिन दवा के दाम पर सरकारी नियंत्रण होने की वजह से फिलहाल आम उपभोक्ताओं को बढ़ी कीमत नहीं देनी पड़ रही है। भारत दवा निर्माण के लिए 70 फीसद बल्क ड्रग्स का आयात चीन से करता है। लेकिन चीन से फिलहाल सप्लाई बंद है। घरेलू स्तर पर भी जो बल्क ड्रग्स बन रहे थे, उनका निर्यात किया जा रहा था। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के विदेश व्यापार महानिदेशालय की तरफ से मंगलवार को 26 बल्क ड्रग्स के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया। इनमें पैरासिटामॉल भी शामिल है। चीन से बल्क ड्रग्स की सप्लाई रुक जाने के बाद से 250 रुपये प्रति किलोग्राम बिकने वाले पैरासिटामॉल की कीमत 415 रुपये के स्तर पर पहुंच गई थी। एजिथ्रोमाइसिन की कीमत 30,000 रुपये प्रति किलोग्राम से बढ़कर 55,000 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। ऐसे ही, अन्य प्रकार के कई बल्क ड्रग्स की कीमत में 50 फीसद तक का इजाफा हो चुका है। सरकार के आदेश के बाद भारत से बल्क ड्रग्स निर्यात करने वाले निर्यातकों को पहले सरकार से इजाजत लेनी होगी। अभी कारोबारी सरकारी इजाजत के बिना बल्क ड्रग्स का निर्यात कर सकते थे। हिमाचल प्रदेश फार्मा मैन्यूफैक्चरर्स एसोसिएशन के चीफ एडवाइजर सतीश सिंघल ने बताया कि चीन भारत समेत विश्व के कई देशों को बल्क ड्रग्स की सप्लाई करता है। फिलहाल वहां से सप्लाई रूकने की वजह से यूरोपीय देश भारत से बल्क ड्रग्स मंगा रहे थे। भारत का सालाना बल्क ड्रग्स का आयात 3.5 अरब डॉलर का है। भारत सालाना 22.5 करोड़ डॉलर के बल्क ड्रग्स का निर्यात करता है।

उत्तर प्रदेश के आगरा में मंगलवार को मास्क पहनकर ताजमहल परिसर का भ्रमण करते पर्यटक। आगरा में छह लोगों में कोरोना वायरस के लक्षण पाए गए हैं। प्रेट्र

इटली, ईरान, द. कोरिया और जापान से आने पर लगा प्रतिबंध

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- चीन के बाद चार और देशों से आने के लिए जारी वीजा तत्काल प्रभाव से निरस्त
- भारतीयों को भी ऐसे देशों की यात्रा न करने की सलाह, ट्रैवल एडवाइजरी जारी की गई

कोरोना संक्रमण के नए मामले आने आने के बाद केंद्र सरकार ने विदेश से आने वाले प्रत्येक व्यक्ति पर पैनी नजर रखनी शुरू कर दी है। इसके साथ ही सरकार ने ट्रैवल एडवाइजरी जारी कर इटली, ईरान, दक्षिण कोरिया और जापान से आने के लिए जारी वीजा को रद कर दिया है। इससे पहले सरकार ने पांच फरवरी को ऐसी ही एडवाइजरी जारी कर चीन से आने के लिए जारी वीजा को भी रद कर दिया था। इन देशों के यात्रियों के लिए वीजा ऑन अराइवल की प्रक्रिया भी स्थगित कर दी गई है। अगर किसी के लिए भारत आना बहुत जरूरी हो तो उसे नए सिरे से वीजा का आवेदन करने को कहा गया है।

चीन के बाद अब दुनिया के दूसरे देशों में कोरोना के प्रसार को देखते हुए सरकार ने भारतीय नागरिकों को भी विदेश यात्राओं से बचने की हिदायत दी है। खासकर वायरस की चपेट में आ चुके देशों की यात्रा न करने की सलाह दी गई है। हालांकि सरकार ने इन प्रतिबंधों से राजनयिकों, संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों, अनिवासी भारतीय (ओसीआइ) कार्ड होल्डर और विमान के क्रू मेंबर आदि को अलग रखा है, लेकिन उन्हें भी चिकित्सीय जांच से गुजरना होगा।

यात्रियों से हवाई अड्डों पर भरवाया जाएगा घोषणा पत्र: इसके साथ ही अंतरराष्ट्रीय उड़ानों से आने वाले प्रत्येक यात्री से हवाई अड्डों पर एक घोषणा पत्र भराया जा रहा है, जिसमें फोन नंबर, भारत में रहने के दौरान पता और तीन मार्च के पहले की गई यात्रा का विवरण मांगा जा रहा है। इन दौरान सबसे पैनी नजर पर्यटकों पर रखी जा रही है। इनमें वे भी शामिल हैं, जो सीधे या कोरोना प्रभावित देशों से घूमते-फिरते भारत आए हैं। सरकार ने ऐसे पर्यटकों की पहचान कर इनका मेडिकल टेस्ट कराने के निर्देश दिए हैं।

नोएडा में कोरोना की दस्तक की आशंका से हड़कंप

- सेक्टर-135 स्थित श्री राम मिलेनियम स्कूल में 3 बच्चों सहित छह लोगों के सैंपल जांच के लिए भेजे गए
- दो परिवारों के सदस्यों को आइसोलेट कर रखी जा रही निगरानी, संबंधित स्कूल तीन दिन के लिए बंद

जागरण संवाददाता, नोएडा : कोरोना वायरस ने अब दिल्ली-एनसीआर में भी दस्तक दे दी है। मंगलवार को नोएडा से छह लोगों के सैंपल कोरोना वायरस की जांच के लिए नेशनल सेंटर फॉर डिसीज कंट्रोल को भेजे गए हैं, जिसमें से तीन सैंपल नोएडा सेक्टर-135 स्थित श्री राम मिलेनियम स्कूल के बच्चों के हैं। स्कूल को छह मार्च तक बंद कर दिया गया है। स्कूल में आइसीएसई बोर्ड की 10वीं व आइएससी की 12वीं की बोर्ड परीक्षा ग्रेटर नोएडा के सेंट जोसेफ स्कूल में स्थानांतरित कर दी गई है और आंतरिक परीक्षाओं को स्थगित कर दिया गया है। श्री राम मिलेनियम स्कूल को छह मार्च तक के लिए बंद कर दिया गया है। वहीं, शिव नाडर स्कूल और बिलबोंग स्कूल ने सतर्कता के चलते छह मार्च तक स्कूल बंद कर दिए हैं।

श्री राम मिलेनियम स्कूल के तीन बच्चे अपने परिजनों के साथ शुक्रवार को दिल्ली के मयूर विहार में एक समारोह में गए थे। सोमवार को बच्चा अपने दोस्तों के साथ स्कूल में गया था। इस बीच दिल्ली में उसके पिता की स्वास्थ्य जांच में उन्हें कोरोना वायरस होने की पुष्टि हुई। उत्तर प्रदेश राज्य स्वास्थ्य विभाग की सूचना पर नोएडा के स्वास्थ्य विभाग ने सोमवार रात में ही पीड़ित व्यक्ति सहित दोनों परिवारों के घर आइसोलेट कर उनके सैंपल लिए और जांच के लिए भेजे। मंगलवार को जब स्कूल प्रबंधन और वहां पढ़ रहे बच्चों को इस बारे में पता चला तो हड़कंप मच गया। जानकारी पर स्वास्थ्य विभाग की टीम ने स्कूल पहुंचकर उसे खाली करवाया और वहां सैनिटाइजेशन का कार्य शुरू किया।

बुधवार को जांच रिपोर्ट आने के बाद स्वास्थ्य विभाग अगली कार्रवाई करेगा। जिलाधिकारी बीएन सिंह ने स्वास्थ्य विभाग को जिले के सभी स्कूलों में विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं। सीएमओ डॉ. अनुराग भार्गव ने बताया कि संदिग्धों के घरों को आइसोलेट किया गया और वहीं से उनके सैंपल लिए गए हैं। स्कूल को सैनिटाइज किया गया है।

कोरोना वायरस की हर कड़ी पर पैनी निगाह

नीलू रंजन, नई दिल्ली

चूक की गुंजाइश नहीं

- संक्रमित या संदिग्ध के संपर्क में आने वाले हर व्यक्ति पर निगरानी का पुख्ता प्रबंध
- साथ सफर करने वाले यात्रियों व विमान के चालक दल पर भी रखी जा रही है नजर

स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा-देश के भीतर नहीं फैला संक्रमण

स्वास्थ्य मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि अभी तक भारत के भीतर कोरोना से किसी के ग्रसित होने का एक भी मामला सामने नहीं आया है। कोरोना से ग्रसित सभी छह व्यक्ति विदेशी धरती पर वायरस से ग्रसित होने के बाद भारत में आए थे। केरल में जो तीन व्यक्ति कोरोना से पूरी तरह ठीक होकर अपने घर जा चुके हैं, उनके संपर्क में आने वालों पर भी ऐसी ही निगरानी रखी गई थी और वायरस को फैलने से पूरी तरह रोकने में सफलता मिली थी।

देश में कोरोना के नए मरीजों के सामने आने के बाद सरकार इसे फैलने से रोकने की हरसंभव कोशिश में जुटी है। इसके तहत वायरस से ग्रसित व्यक्ति के संपर्क में आने वाले हर व्यक्ति और फिर उन व्यक्तियों के संपर्क में आने वालों तक पर निगरानी रखी जा रही है। उनमें से किसी में भी वायरस से संक्रमण की आशंका पाए जाने पर उन्हें विशेष वार्ड में निगरानी में रखा जा रहा है। इसके लिए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय से लेकर जिला व स्थानीय प्रशासन तक की इकाई को सक्रिय कर दिया गया है, ताकि निगरानी में कोई कड़ी ना छूटे।

सतर्कता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि दिल्ली में इससे ग्रसित व्यक्ति के अलावा उसके व उसके परिवार के संपर्क में आने वाले सभी व्यक्तियों की तत्काल पहचान कर उन पर निगरानी शुरू कर दी गई है। बताया जाता है कि 20 फरवरी को इटली से आने वाले संक्रमित व्यक्ति ने दिल्ली के फाइव स्टार होटल में अपने बेटे के जन्मदिन की पार्टी दी थी, जिसमें आगरा के छह लोग भी शामिल हुए थे।

इसके साथ ही नोएडा के दो स्कूलों में पढ़ने वाले पांच बच्चे भी पार्टी में शामिल थे। पार्टी में शामिल आगरा के सभी लोगों को दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में विशेष निगरानी में रखा गया है। नोएडा के दोनों स्कूलों में जिला चिकित्सा अधिकारियों ने दौरा कर हालात का मुआयना किया और इसके बाद इनको वायरस मुक्त करने के लिए कुछ दिनों के लिए बंद करने का फैसला किया गया। स्कूलों ने अपने यहां पढ़ने वाले सभी बच्चों के अभिभावकों को स्वच्छता पर ध्यान देने और सर्दी-जुकाम व बुखार की स्थिति में डॉक्टरों से संपर्क करने का सुझाव दिया है। कोरोना पीड़ित व्यक्ति के संपर्क में आने वाले एक अकाउंटेंट को भी विशेष निगरानी में रखा गया है।

स्वास्थ्य मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि आगरा के जिन छह लोगों को विशेष निगरानी में रखा गया है, उनके परिवार के सदस्यों व उनके साथ संपर्क में आने वाले सभी व्यक्तियों पर नजर रखने की जिम्मेदारी स्थानीय प्रशासन को दी गई है। इनमें से किसी को भी सर्दी-जुकाम और बुखार होने की स्थिति में आइसोलेट कर जांच और इलाज की व्यवस्था की जाएगी।

होटल में भी सतर्कता : जिस हयात होटल में पार्टी दी गई थी, उसने पार्टी के स्थान को वायरस मुक्त करने के लिए विशेष सफाई के साथ-साथ पार्टी के दौरान वहां मौजूद सभी स्टाफ को 14 दिनों के लिए आइसोलेट करने की व्यवस्था की है। दुबई से आए तेलंगाना के वायरस ग्रसित व्यक्ति से संपर्क में आने वाले सभी व्यक्तियों पर ऐसी ही निगरानी शुरू कर दी गई है।

विमान के क्रू मेंबर भी निगरानी में : कोरोना से ग्रसित व्यक्ति जिन विमानों से भारत आए थे, उनके क्रू-मेंबर को भी विशेष निगरानी में रखा गया है। विमान में यात्रा करने वाले सभी यात्रियों से संपर्क कर उन्हें बता दिया गया है कि उनके साथ आने वाला एक व्यक्ति कोरोना वायरस पॉजिटिव पाया गया है, इस कारण उन्हें 14 दिनों तक अपना विशेष ध्यान रखना है। इस बीच सर्दी-जुकाम और बुखार होने की स्थिति में वे तत्काल सूचित करें। इनमें कई लोगों को स्वास्थ्य मंत्रालय के अधिकारियों ने अपना निजी नंबर दे दिया है।

जयपुर के मरीज से जुड़े लोग भी दायरे में : जयपुर में कोरोना से ग्रसित इटली के नागरिक के संपर्क में आने वालों की भी पहचान कर उन्हें अलग किया जा रहा है। उनके साथ यात्रा करने वाले इटली के अन्य 19 पर्यटकों व उन्हें सफर कराने वाले बस ड्राइवर, क्लीनर व गाइड को आइटीबीपी के चावला कैंप में रखा गया है। इसके साथ ही ये पर्यटक जिन-जिन होटल में रुके थे, उन्हें अपने स्टाफ पर विशेष निगरानी रखने को कहा गया है।

हवाई अड्डों पर वायरस से बचाव के सख्त उपाय लागू

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

सरकार ने कोरोना वायरस को फैलने से रोकने के लिए विमान सेवाओं से जुड़े सभी कर्मचारियों के बचाव एवं सुरक्षा के बाबत एयरपोर्ट ऑपरेटरों तथा एयरलाइनों को निर्देश जारी किए हैं। इनमें ग्राउंड हैंडलिंग स्टाफ, क्रू मेंबर, एयरपोर्ट तथा एयरलाइनों से जुड़े सभी कर्मचारी शामिल हैं।

नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) की ओर से जारी दिशानिर्देशों के मुताबिक एयरपोर्ट पर काम करने वाले सभी ग्राउंड हैंडलिंग स्टाफ को विशेष सफाई एवं बचाव के उपाय अपनाने होंगे। इनमें सर्जिकल मास्क, दस्ताने, डिस्पोजेबल शू कवर जैसे प्रोटेक्टिव इक्विपमेंट (पीपीई) का इस्तेमाल शामिल है। विमानों की सफाई करने वाले सभी कर्मचारियों को पीपीई का उपयोग करने को कहा गया है। हर विमान को सफाई के साथ-साथ अल्कोहल आधारित डिसइंफेक्टैंट के जरिये विसंक्रमित करना होगा। भारत आने व अगली उड़ान पर रवाना होने से पहले हर अंतरराष्ट्रीय विमान व उसके यात्रियों को विसंक्रमण की प्रक्रिया से गुजरना होगा।

दक्षिण कोरिया, जापान तथा इटली से भारत आने वाले विमानों पर खास नजर रहेगी। भारत आने वाली सभी अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के यात्रियों को अगली उड़ान से पहले थर्मल स्क्रीनिंग से गुजरना होगा। नॉन एयरोब्रिज बे के अलावा यात्रियों को बे से टर्मिनल बिल्डिंग तक लाने वाले वाहनों तथा कोरोना से संक्रमित संदिग्ध यात्री वाली व्हील चेयर्स को भी विसंक्रमित किया जाएगा। इस्तेमाल के बाद सभी पीपीई को उचित तरीके से डिस्पोज करने की सलाह भी दी गई है। सभी क्रू सदस्यों को व्यक्तिगत स्वच्छता पर ध्यान देने तथा पीपीई का अनिवार्य रूप से उपयोग करने के निर्देश दिए गए हैं। एयरपोर्ट पर इमीग्रेशन, स्वास्थ्य, सुरक्षा, चेक-इन काउंटर आदि पर कार्य करने वाले सभी कर्मचारियों को कोरोना के संक्रमण से बचाने के लिए अनिवार्य रूप से पीपीई प्रदान किए जाएंगे। साथ ही उन्हें उद्घोषणाओं, बैनर, पोस्टर आदि के जरिये संक्रमण से बचाव की जानकारी देनी होगी। उन्हें हाथ स्वच्छ रखने के लिए चेक-इन काउंटर, टर्मिनल एक्जिट एरिया, थर्मल स्क्रीनिंग वाले स्थानों पर हैंड सेनेटाइजर उपलब्ध कराया जाएगा। विमानों के भीतर पर्याप्त मात्रा में हैंड सेनेटाइजर उपलब्ध कराने को भी कहा गया है।

हरियाणा विधानसभा में गर्माई सियासत

अनुराग अग्रवाल, चंडीगढ़ : कोरोना वायरस को लेकर मंगलवार को हरियाणा विधानसभा में सियासत गर्मा गई। दरअसल, विधायकों को विधानसभा में मुख्यमंत्री मनोहर लाल के बजट भाषण का सार जिन टैब में बांटा गया, वह चीन की कंपनी में निर्मित हैं। यही वजह रही कि कुछ विधायकों ने इनको खोलकर देखा तो कुछ ने कोरोना वायरस के डर से इनका इस्तेमाल ही नहीं किया। विधानसभा में कांग्रेस विधायक गीता भुक्कल ने यह मुद्दा उठाते हुए सरकार से सवाल किया कि कहीं इन टैब में कोरोना वायरस तो नहीं है। उधर, स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज ने कहा कि विधायक हाथ न मिलाएं। उन्होंने इससे बचने की सलाह दी।

इस बीच, हयिाणा सरकार ने टैब में कोरोना वायरस की आशंका को पूरी तरह से खारिज कर दिया फिर भी इस मुद्दे पर विधानसभा में खूब हंगामा हुआ। विपक्ष ने एकजुटता के साथ मनोहर लाल सरकार को घेरा तो स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज ने समूचे सदन को हाथ न मिलाने का सुझाव दे डाला। विज ने कहा कि कोरोना से बचने का सबसे आसान फार्मूला है कि हाथ मिलाने की बजाय आपस में एक-दूसरे को नमस्ते करें।

अभय चौटाला के यह कहने पर कि चीन से दवाओं का साल्ट आ रहा है, स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज ने सदन में जानकारी दी कि चीन से आने वाले साल्ट की खरीद को रोक दी गई है। सरकार के पास दवाओं का पूरा स्टॉक उपलब्ध है। इसके बावजूद आपात स्थिति से निपटने के लिए केंद्र सरकार के साथ बातचीत की जा रही है।

हरियाणा के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (कानून व्यवस्था) नवदीप सिंह विर्क ने मंगलवार को एक ट्वीट और पत्र के जरिये पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अपने अधीनस्थ स्टाफ को मास्क व दस्ताने पहनकर ड्यूटी करने को कहें। सभी पुलिस आयुक्त, उपायुक्त, पुलिस अधीक्षकों, पुलिस महानिरीक्षकों व उप महानिरीक्षकों के साथ अन्य अधिकारियों से कहा गया है कि वे सरकार के इन निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन करें।

मंथन

भारतीय रिजर्व बैंक कर रहा कई विकल्पों पर विचार, मंदी से लड़ने के लिए प्रोत्साहन की भी हो रही तैयारी

आरबीआइ सतर्क, ब्याज दरों में कटौती मुमकिन

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

कोरोना वायरस के धीरे धीरे 70 देशों में फैलने की खबर से सरकार के साथ-साथ भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआइ) भी बेहद सतर्क हो गया है। आरबीआइ व वित्त मंत्रालय की तरफ से इस वायरस से इकोनॉमी पर पड़ने वाले असर को लेकर लगातार मंथन जारी है। आरबीआइ इसके आर्थिक दुष्प्रभाव को रोकने के लिए कई विकल्पों पर विचार कर रहा है और संकेत हैं कि जिस तरह से वर्ष 2008-09 के वैश्विक मंदी से लड़ने के लिए उद्योग जगत को कई तरह के प्रोत्साहन दिए गए थे उसी तरह के कदम इस बार भी उठाए जाएंगे। कर्ज की दरों में और कटौती करने का विकल्प भी सरकार के सामने है।

आरबीआइ ने शाम को एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि केंद्रीय बैंक वैश्विक व घरेलू स्थितियों पर नजर रखे हुए है। बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा, 'हम सतर्क हैं और वित्तीय स्थायित्व , निवेशकों का भरोसा और बाजार का संचालन दुरुस्त बनाए रखने के लिए यथोचित कदम उठाने को तैयार हैं।' आरबीआइ गवर्नर डॉ. शक्तिकांत दास ने मीडिया को बताया कि भारतीय इकोनोमी पर कोरोना वायरस की वजह से दो तरह से असर पड़ने के आसार हैं। पहला यह कि हम चीन के बड़े साझेदार है जहां इस वायरस का सबसे ज्यादा असर है। दूसरा इसकी वजह से वैश्विक मंदी की संभावना गहरा रही है जो भारत पर असर डाल सकती है। उन्होंने यह भी बताया कि वैसे तो महंगाई दर व ब्याज दरों को लेकर आगामी फैसला तीन अप्रैल से मौद्रिक नीति समिति की बैठक में होगा। लेकिन अगर जरूरत पड़ेगी तो केंद्रीय बैंक पहले भी उपायों की घोषणा कर सकता है। उन्होंने इस बात के संकेत दिए कि ब्याज दरों में कटौती भी संभव है।

भारतीय रिजर्व बैंक। फाइल

गौरतलब है कि पिछले महीने मौद्रिक नीति की समीक्षा के दौरान आरबीआइ ने सीधे तौर पर रेपो रेट घटा कर ब्याज दरों को नीचे लाने का उपाय नहीं किया था लेकिन ब्याज दरों में नरमी के लिए कुछ दूसरे उपायों का एलान किया था। साथ ही यह भी संकेत दिया था कि रेपो रेट में कटौती की संभावनाएं अभी बनी हुई है। आरबीआइ की तरफ से यह बयान देने के पीछे एक बड़ा मकसद भारत के शेयर बाजार से पैसा निकाल रहे विदेशी संस्थागत निवेशकों को भी आश्वस्त करना है जो पिछले एक हफ्ते से अपना निवेश निकालने में लगे हुए हैं। कई वैश्विक एजेंसियों ने यह कहना शुरू कर दिया है कि कोरोना वायरस की वजह से वैश्विक विकास दर को लेकर नई अनिश्चितता पैदा हो गई है। आरबीआइ का यह आश्वासन तब आया है जब दुनिया के कई विकसित देशों के केंद्रीय बैंकों के बीच भी कोरोना वायरस के आर्थिक असर को थामने के लिए विचार विमर्श किया जा रहा है।

नौसैनिक अभ्यास 'मिलन 2020' टला

नई दिल्ली, प्रेट्र : कोरोना वायरस के लगातार बढ़ते मामलों को देखते हुए नौसेना ने एहतियात के तौर पर बहु-राष्ट्र मेगा नौसैनिक अभ्यास 'मिलन 2020' को टाल दिया है। देशभर में कोरोना के करीब 8 मामले अब तक सामने आ चुके हैं।

विशाखापत्तनम के तट पर होने वाला इस बहु-राष्ट्र मेगा नौसैनिक अभ्यास को अभी टाल दिया गया है। मिलन नौसैनिक अभ्यास 18 से 28 मार्च के बीच होना तय था। इस नौसैनिक अभ्यास में 40 देशों के भाग लेने की उम्मीद थी। अधिकारियों ने बताया, 'सभी हिस्सेदारों की सुरक्षा और कोविड-19 के फैलने से लगे यात्रा प्रतिबंधों' को ध्यान में रखते हुए नौसैनिक अभ्यास को अभी स्थगित कर दिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि 'मिलन 2020' को बेहद उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली थी। दुनियाभर की नौसेना ने इस अभ्यास में शामिल होने की इच्छा जाहिर की थी। उन्होंने कहा कि भारतीय नौसेना आने वाले दिनों में यह अभ्यास करेगी।